इस माह नहीं तोड़ने दिए जाएंगे यातायात के नियम!

जनाब यह नवम्बर है!

यातायात माह शुरू, अब होगी सख्ती

वाहन चालकों को पढ़ाया जाएगा नियमों का पाठ

झाँसी : 11 माह तक यातायात नियमों को तार-तार करने की बुरी आदत डाल चुके लोगों को अब सावधान रहना होगा - यह नवम्बर है, जिसे यातायात माह के रूप में मनाने की परम्परा है। आज पहली तारीख को यातायात विभाग ने एक माह तक चलने वाले अभियान का श्रीगणेश कर दिया। अब पूरे माह तक जवान सड़क पर उतरकर लोगों को यातायात नियमों का पाठ पढ़ाएंगे और नियम तोड़ने वालों को सबक सिखाएंगे। वाहन चालकों के चालान भी किए जाएंगे। पर उन समस्याओं के स्थायी समाधान पर चर्चा तक नहीं होगी, जिनका सामना झाँसी की जनता प्रतिदिन करती है।

इस माह होने वाली गतिविधियाँ

- स्कूलों में जाकर बच्चों को यातायात नियमों की जानकारी दी जाती है।
- पुलिस द्वारा यातायात नियमों से अवगत कराया जाता है।
- सख्ती से नियमों का पालन कराया जाता है।
- नियम तोड़ने वाले वाहन चालकों के चालान काटे जाते हैं।

जनता के दर्द

नो-पार्किंग में खड़े वाहन उठाकर छुपाई जा रही अपनी कमी

महानगर के व्यस्त बाजारों में प्रशासन द्वारा वाहन पार्किंग की कोई व्यवस्था नहीं की है। इस कमी को छिपाने के लिए यातायात विभाग अब नो-पार्किंग में खड़े वाहनों को उठा लेता है और भारी-भरकम जुर्माना वसूल जाता है। आरोप यह भी है कि वाहन उठाने-छोड़ने के नाम पर खेल भी किया जाता है।

वाहन पार्किंग के लिए चयनित किए गए थे 26 पॉइण्ट, धरी रह गई योजना

नगर निगम ने ऑटो-टैम्पो यूनियन व व्यापारी नेताओं के साथ बैठक कर महानगर में 26 स्थानों को पार्किंग के लिए चिह्नित किया था, लेकिन यह योजना धरी की धरी रह गई और अब महानगर में नगर निगम की सिर्फ 3 पैड पार्किंग हैं।

झाँसी : फीता काटकर यातायात माह का शुभारम्भ करते डीआईजी व अन्य।

यातायात माह का शुभारम्भ

ट्रैफिक नियमों का पालन करने की अपील

झाँसी : यातायात पुलिस कार्यालय परिसर में मुख्य अतिथि डीआईजी जोगिन्दर सिंह ने प्रभारी एसएसपी नेपाल सिंह, एसपी (सिटी) राधेश्याम राय, यातायात व सदर क्षेत्राधिकारी अशोक गौतम, सीओ (सिटी) राजेश कुमार राय ने पुलिस कर्मियों, स्कूली छात्र-छात्राओं, समाजसेवियों व ट्रैफिक वॉर्डन की उपस्थिति में दीप प्रज्वलित कर यातायात माह का शुभारम्भ किया। इस दौरान मुख्य अतिथि ने हरी झण्डी दिखाकर जागरूकता प्रचार वाहन को भी रवाना किया गया। इस मौके पर सीएफओ कृष्णकान्त ओझा, सीओ श्वेता कुमारी, प्रतिसार निरीक्षक चन्द्र भूषण पाण्डेय के साथ ही सभी थाना प्रभारी व यातायात विभाग के प्रभारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

यातायात विभाग की समस्या

स्टाफ का अभाव, काम का दबाव

यातायात विभाग में पिछले दिनों हुई मारपीट के बाद तत्कालीन टीएसआइ सहित 2 को निलम्बित एवं पूर्व टीएसआइ सहित 3 को लाइन हाजिर कर दिया गया था। उनके स्थान पर आए एक अन्य प्रभारी टीएसआइ सहित 12 को भी लाइन हाजिर कर दिया गया। अब यातायात विभाग में एक हेड कॉन्स्टेबल को प्रभारी बनाकर जिम्मेदारी दी गई है। प्रभारी को मिलाकर वर्तमान में महज 12 कर्मचारियों का स्थाई स्टाफ बचा है। इनके साथ ही होमगार्ड के 146 एवं पीआरडी के 57 जवान सेवाएं दे रहे हैं। इनमें से लगभग आधा दर्जन स्थाई कर्मी कार्यालय में कामकाज सँभालते हैं, जबकि अन्य को महानगर में विभिन्न स्थानों पर ड्यूटी दी गई है।

महानगर में एक दर्जन ब्लैक स्पॉट, पर दुर्घटना रोकने की कोई योजना नहीं

महानगर व उसके आसपास एक दर्जन से अधिक ऐसे पॉइण्ट हैं, जहाँ आए दिन दुर्घटनाएं होती हैं। यातायात विभाग ने इन्हें ब्लैक स्पॉट चिह्नित किया है, लेकिन यहाँ दुर्घटनाएं रोकने की कोई योजना नहीं बनाई है। इस समय कोछाभाँवर तिराहा, बड़ी के हनुमान मन्दिर के पास हाइवे से सर्विस रोड जाने वाला कट, नन्दनपुरा में बनी अवैध सब्जी मण्डी, भगवन्तपुरा, जेल चौराहा, जीवनशाह तिराहा, बस स्टैण्ड, कचहरी चौराहा स्थित कलेक्टरेट गेट के सामने, इलाइट चौराहा, शिवपुरी रोड स्थित बिहारी तिराहा, ग्वालियर रोड स्थित शिवानी होटल तिराहा चित्रा चौराहे से सीपरी मार्ग ब्लैक स्पॉट में शामिल है।

इन्होंने कहा

"यातायात माह ही नहीं, अन्य दिनों में सभी ड्यूटी पॉइण्ट पर जवान तैनात किए जाते हैं, जो बखूबी जिम्मेदारी निभाते हैं। फिलहाल स्टाफ की कमी है, फिर भी हमारी टीम सभी तरफों को दुरुस्त करने में सक्षम है। सभी वाहन चालकों से अपील है कि वे यातायात नियमों का पालन करें और सुरक्षित व सुगम यातायात में सहयोग करें।"

- सत्यस्वरूप राजपूत, यातायात प्रभारी, झाँसी

जेल चौराहा पर दौड़ते हैं बेफिक्री से वाहन

झाँसी : जेल चौराहे पर वाहनों के आवागमन को नियंत्रित करने के लिए लगाए गए यातायात कर्मियों की अनुपस्थिति का लाभ उठाते हुए गाड़ियां सरपट भागती हैं। न नियमों की परवाह, न दुर्घटना का डर। ऐसे में यहाँ पर यदि सख्ती नहीं बरती गई तो निश्चित ही बड़े हादसे की आशंका से इन्कार नहीं किया जा सकता।

हमारी भी जिम्मेदारी

- दो पहिया वाहन चलाते समय हेल्मेट जरूर लगाएं तथा चार पहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट लगाएं।
- चौराहों पर बाईं ओर का रास्ता जैम न करें, ताकि बाईं ओर जाने वाले वाहन आसानी से निकल सकें।
- बाजार जाने पर सड़क पर ही वाहन खड़ा न करें।
- रेड सिग्नल होने पर चौराहा क्रॉस कराई न करें।
- महानगर की सड़कों पर तय स्पीड पर ही वाहन चलाएं।
- ऑटो-टैम्पो चालक भी करें सुधार
- ऑटो-टैम्पो वाले सड़क पर दौड़ते समय एकाएक सवारी के लिए वाहन न रोकें।
- चौराहों पर सवारी के लिए जमघट न लगाएं और कुछ दूरी बनाकर ही कतार में वाहन खड़ा करें।
- व्यस्त बाजारों में सवारी ले जाने से बचें।

न नियमों की परवाह, न जान की

झाँसी : महानगर की बदहाल हो चुकी यातायात व्यवस्था में वाहन चालक अपनी जिम्मेदारियों से बचते हैं। ऐसे में उन्हें दुर्घटनाओं की आशंका भी नहीं रहती। बस चौराहा भर पार हो जाए। इलाइट चौराहा की यह तस्वीर भी कुछ ऐसा ही बयान करती है, जहाँ दिन भर यातायात विभाग व पुलिस के कर्मचारी नियमों का पालन कराने में जुटे रहते हैं। इसके बावजूद दिन भर वाहन चालक मनमानी करने से बाज नहीं आते।

नियम छोड़िए-इन्हें तो परिवार की सुरक्षा की चिन्ता नहीं...

झाँसी : यातायात माह भले ही शुरू हो गया, मगर इन जनाब को इसकी फिक्र कहाँ? न सिर पर हेलिमेट है न चालान का डर। यह तो छोड़िए - इन्हें तो परिवार की सुरक्षा की भी चिन्ता नहीं है।